

प्रेषक,

डा० रणबीर सिंह,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उत्तराखण्ड,
उद्यान भवन चौबटिया-रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक- 18 मार्च, 2016

विषय:- वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिये अनुदान संख्या-29 आयोजनेत्तर पक्ष की योजनाओं के अन्तर्गत बचतों से पुनर्विनियोग की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-777/एक-1(5)/2015-16, दिनांक-15 फरवरी, 2016 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-29 लेखाशीर्षक 2401-फसल कृषि कर्म-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-00-आयोजनेत्तर-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-03-औद्योगिक विकास-0301-अधिष्ठान-03-महंगाई भत्ता में प्राप्त बचतों से अनुदान संख्या-29 लेखाशीर्षक 2401-फल कृषि कर्म-00-आयोजनेत्तर-0301-अधिष्ठान-06-अन्य भत्ते-10-जलकर/जलप्रभार-15-गाड़ियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद-17-किराया उपशुल्क एवं कर स्वामित्व-19-विज्ञापन बिक्री एवं विख्यापन व्यय-27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति में समग्र रूप से रु० 10876 हजार (रु० एक करोड़ आठ लाख छिहत्तर हजार मात्र) का पुनर्विनियोग प्रस्ताव की स्वीकृति संलग्न विवरणानुसार एवं कम्प्यूटर आईडी सहित आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल निम्नांकित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों हेतु स्वीकृत परिव्यय सीमान्तर्गत ही किया जायेगा।
- 2- उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015, दिनांक-01 अप्रैल, 2015 के द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों तथा वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत अन्य दिशा-निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 3- धनराशि का व्यय करते समय प्रक्योरमेन्ट रूल्स, 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5, भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्यय सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का कय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग के शासनादेशों/दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
- 4- अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फ्रेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लों निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।

- 5- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक हो, वहाँ व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 6- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।
- 7- योजनावार स्वीकृत धनराशि का व्यय सम्बन्धित योजना के संगत दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही की जायेगी। किसी भी दशा में संगत दिशा-निर्देशों से इतर कार्यवाही नहीं की जायेगी।
- 8- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-29 की उक्त योजनाओं के अन्तर्गत संलग्न विवरण में अंकित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
- 9- यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0 संख्या-93/(NP)/वित्त-4/2016, दिनांक-15 मार्च, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय,

(डा0रणबीर सिंह)
अपर मुख्य सचिव

संख्या-413/XVI(1)/16/7(26)/2016, तददिनांकित।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी।
- 3- वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 5- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(टीकम सिंह पंवार)
अपर सचिव।